PRESS / MEDIA COVERAGE OVER BLW, VARANASI

हिन्दुस्तान, वाराणसी (पृष्ठ सं.-04)

दिनांक: 12.05.2022

बरेका | इंजीनियरों के विशिष्ट प्रयोग का प्रदर्शन देखकर रेल मंत्री ने की थी सराहना, पटरियों पर दौड़ता इंजन ट्रैक और आसपास की सफाई भी करता चलेगा

पटरियों की सफाई के लिए रेल इंजन के साथ अब वैक्यूम क्लीनर

अमित वर्मा

वाराणसी। नई तकनीक के रेल इंजन बनाकर भारतीय रेलवे को गति प्रदान करने वाले बरेका सुधार की दिशा में भी काम कर रहा है। बरेका के इंजीनियरों की टीम ने रेल इंजन के साथ वैक्यूम क्लीनर का प्रयोग किया है, जिससे ट्रेन के चलने के दौरान ट्रैक की सफाई भी हो सकेगी।

वैक्यूम क्लीनर युक्त रेल इंजन का प्रयोग भी हो चुका है। वाराणसी मंडल की ओर से प्रयोग में यह सफल रहा। इसकी रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को सौंपी गई है।

रेल मंत्री की ओर से बरेका को ट्रैक की सफाई के लिए तकनीक पर काम करने का सुझाव दिया गया था।

06 इंजीनियरों की टीम ने किया तैयार

- रेलवे बोर्ड से स्वीकृति पर अन्य इंजन में लगाएंगे

इस पर मुख्य विद्युत सर्विस इंजीनियर सुजीत मिश्रा निर्देशन में छह सदस्यीय टीम ने काम करना शुरू किया। रेल इंजन के साथ ही वैक्यूम क्लीनर लगाया है।

इस तकनीक से रेल इंजन के चलने के साथ ही ट्रैक पर पड़े कचरे को साफ कर उसे सुरक्षित रख लिया जाएगा। बीते दिसंबर में आये रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के बरेका दौरे के समय उन्हें डेमो दिखाया गया, जिस पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की। इसमें और तकनीकी सुधार कर रेलवे बोर्ड को भेजने के लिए कहा था। इस क्रम में बरेका ने वैक्यूम क्लीनर युक्त रेल इंजन बरेका वाराणसी मंडल को भेजा था।

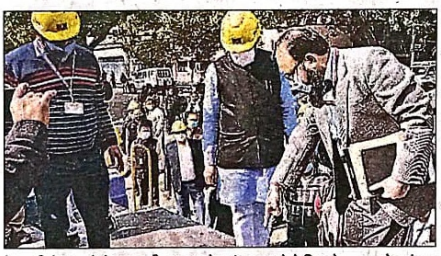

रेल मंत्री के सामने वैक्यूम क्लीनर युक्त रेल इंजन का डेमो दिखाते बनारस रेल इंजन कारखाना के इंजीनियर। (फाइल फोटो)

"वैक्यूम क्लीनर युक्त रेल इंजन तैयार कर रेल मंत्री के सामने डेमो दिया गया था। उन्होंने इसकी सराहना की थी। वाराणसी मंडल में ट्रायल कर इसकी रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को भेजी जा चुकी है। –विजय, सीपीआरओ

महाप्रबंधक ने सम्मान समारोह में सराहा

महाप्रबंधक अंजलि गोयल ने पूर्व में हुए सम्मान समारोह के दौरान इस टीम की अलग से सराहना की। टीम में मुख्य विद्युत सर्विस इंजीनियर सुजीत मिश्रा, सहायक विद्युत डिजाइन इंजीनियर अखिलेश खरे, कार्य प्रबंधक मुकेश कारीढाल, अनिल कुमार सिंह व अन्य थे।

पानी की बर्बादी रोकने व श्रम बचाने को किया काम

वैक्यूम क्लीनरयुक्त रेल इंजन से पानी, श्रम और ऊर्जा तीनों की बचत होगी। ट्रेन के चलने के दौरान ही पटरियों की सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारी नहीं लगाने होंगे। पानी की कम खपत होगी। अतिरिक्त ऊर्जा भी नहीं लगेगी। रेलवे बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद इस पर बरेका और आगे काम करेगा।